A News Letter of Sanskriti University

SANSKRITI UNIVERSITY
FOR EXCELLENCE IN LIFE

प्रतिबिम्ब

Volume:- 1 March 2020

संस्कृति विवि के प्रांगण में एक दूसरे को रंग से सराबोर करतीं विवि की छात्राएं।

संस्कृति विवि की छात्राओं ने जमकर लिया बृज की होली का आनंद

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के छात्रावासों में रह रहीं दूर-दराज प्रांतों की छात्राओं और विदेशी छात्रों ने कालेज कैंपस में जमकर होली खेली। ब्रज के लोक गीतों को गाकर भरपूर मनोरंजन किया। छात्राओं की होली दोपहर तक चली। सुबह धूप खिलते ही छात्राएं अपने छात्रावासों से निकलकर विवि प्रांगण में गुलाल और रंगों से लैस होकर एकत्र होने लगीं। विश्वविद्यालय में रह रहे छात्र बड़ी जिज्ञासा से इस रंगों के त्योहार को निहार रहे थे। थोड़ी देर में वे भी रंग और गुलाल में रच-बस गए। छात्राओं के छोटे-छोटे दल बन गए थे। एक दूसरे दल के सदस्यों को रंग से पोतने और गुलाल से लाल करने की होड़ सी मच गई। रंगों से बचने वालों के लिए दौड़ लगाने को विवि का लंबा-चौड़ा प्रांगण था, लेकिन उनको घेरने वाली छात्राएं भी कम नहीं थीं और दौड़कर पकड़ ले रहीं थीं। चारों ओर मस्ती का माहौल और गुलाल का गुबार था। छात्रावासों में रह रहीं कुछ छात्राओं के लिए तो यह सब अनौखा था। कुछ ने बृज की होली के बारे में सुना ही सुना था कभी इसका हिस्सा नहीं बनीं थीं। कुछ ऐसी थीं अपने घरों से बाहर निकली ही नहीं थीं और उनके यहां यह त्योहार इस तरह से मनाया भी नहीं जाता, उनके लिए भी यह अजूबा जैसा ही था। जिन्होंने पहले कभी नहीं मनाई थी होली, उनका उत्साह और भागीदारी सर्वाधिक उल्लास से भरपूर थी। किसी को रंग में सराबोर करने पर मचने वाला शोर विजेता का एहसास करा रहा था। छात्राओं के आनंद का मीटर चरम पर था और वे स्वच्छंद होकर लोकगीतों का टूटा-फूटा मगर पूरे जोश से गायन कर रही थीं। काफी देर तक होली का यह त्योहार विवि के प्रांगण में जीवंतता पर्याय बना।

विकास ग्रुप आफ इंडस्ट्री में नौकरी पाने वाले संस्कृति विवि के छात्र-छात्राएं विवि के अधिकारियों के साथ।

संस्कृति विवि के 41 और छात्र-छात्राओं को मिली नौकरी

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में चल रहे कैंपस प्लेसमेंट के दौरान गुड़गांव से आई एमीनेंट लैंड एंड इन्वेस्टमेंट प्लानर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने 19 और विकास ग्रुप आफ इंडस्ट्री ने 22 छात्रों को अच्छे वेतनमान पर चयनित किया है। कंपनी से आए अधिकारियों ने यह चयन लिखित, मौखिक परीक्षा के बाद किया। संस्कृति विवि के प्लेसमेंट सेल के प्रभारी आरके शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि विकास ग्रुप आफ इंडस्ट्री आटोमेटिव इंडस्ट्री में एक जाना पहचाना नाम है। इसके द्वारा अतंर्राष्ट्रीय स्तर के उत्पाद तैयार किये जाते हैं। वहीं एमीनेंट लैंड एंड इन्वेस्टमेंट प्लानर एक प्राइवेट लिमिटेड गैर सरकारी कंपनी है। कंपनी बड़े स्तर पर बिल्डिंग निर्माण को पूरा करने का काम करती है। कंपनियों से आए अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को निर्धारित विस्तृत चयन प्रक्रिया के पश्चात चयनित किया है।

विकास ग्रुप आफ इंडस्ट्री से आए एचआर विभाग के अधिकारियों ने संस्कृति विवि से जिन छात्रों को अपने यहां नौकरी के लिए चयनित किया है उनमें मैकेनिकल इंजीनिरिंग (डिप्लोमा) के तेजेंद्र सिंह, हरेंद्र सिंह, समीर कुमार, संतोष कुमार, लाखन सिंह, राज कुमार, पियूष शर्मा, सुंदर सिंह, मुकेश, चंदरपाल, विष्णु सिंह, अनूप कुमार सिंह, सौरव सिंह, अमर सिंह, ओमप्रकाश, आकाश कुमार, अनिल कुमार, कौशिक राज इलेक्ट्रिक इंजीनिरिंग (डिप्लोमा) गौरव शर्मा, सुमित कुमार, मृत्युंजय कुमार, शिवम शर्मा हैं। एमीनेंट लैंड एंड इन्वेस्टमेंट प्लानर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने जिन छात्र-छात्राओं को कंपनी ने अपने यहां नौकरी दी है, उनमें संस्कृति विवि के बीबीए के छात्र अमित शर्मा, निखिल श्रीवास्तव, विपिन, प्रवीण वार्ष्णेय, आनंद कुमार तिवारी, छात्रा ऋतु अग्रवाल, बी.काम. के छात्र निश्चय शर्मा, श्रवण चौधरी, मयंक गोयल, प्रदीप माथुर, छात्रा अनुराधा अग्रवाल, बीएससी बीएड की छात्रा निशा चौहान, कीर्ति शर्मा, यामिनी प्रिया, ;तिका सिसौदिया, दीप्ती सिंह राघव, अंजू सिसौदिया, एमबीए की आज्ञा प्रवीन तथा बीएससी की सोनम वर्मा हैं। सभी चयनित छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए विवि की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा ने कहा कि हमारे विवि से निकलकर बड़ी-बड़ी कंपनियों में रोजगार पा रहे छात्र-छात्राएं विवि का नाम तो ऊंचा कर ही रहे हैं साथ ही कंपनियों को भी आगे ले जाने में बहुत बड़ा योगदान दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि संस्कृति विवि द्वारा विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान की जा रही है। यही वजह है कि ये विद्यार्थी कंपनियों की आवश्यकताओं पर खरे उतर रहे हैं।

जेनपैक्ट कंपनी द्वारा चयनित संस्कृति विवि के छात्र-छात्राएं विवि के अधिकारियों के साथ प्रसन्न मुद्रा में।

संस्कृति विवि के छात्र-छात्राओं को जेनपेक्ट में मिली नौकरी

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में आई विश्वविख्यात आईटी कंपनी जेनपेक्ट ने कैंपस प्लेसमेंट के दौरान विवि के 14 छात्र-छात्राओं का चयन कर नौकरी के लिए आफर लैटर जारी किए हैं। यह चयन दो सत्रों में चली सघन चयन प्रक्रिया के बाद किए गए। इस मौके पर जेनपेक्ट कंपनी से आई एचआर शुभम अग्रवाल ने बताया कि जेनपेक्ट एक अंतर्राष्ट्रीय सेवा दाता कंपनी है। यह अपने देश में चुने हुए शिक्षण संस्थानों से उदीयमान बच्चों को चयनित कर अपनी कंपनी में रखती है। ये छात्र-छात्राएं वे होते हैं जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ज्ञान और कौशल में खरे उतरते हैं। उन्होंने बताया कि टेक्निकल सत्र और साक्षात्कार के दौरान संस्कृति विवि के छात्र-छात्राओं ने उम्दा प्रदर्शन किया। यहां के विद्यार्थियों को दी जा रही शिक्षा और कौशल हमारी कंपनी द्वारा वांछित मानकों पर खरी उतरती है। यही वजह है कि यहां विद्यार्थियों का कंपनी चयन किया है। कंपनी द्वारा विवि के चयनित छात्र-छात्राओं में बीबीए की छात्रा सदाशिव शुक्ला, छात्र आनंद कुमार तिवारी, दुर्गेश लोहकाना, प्रांजल वार्ष्णेय, जुगल किशोर चौधरी, बी. काम-एमबीए के छात्र निश्चय शर्मा, मयंक गोयल, आर्यन गुप्ता, छात्रा मीरा सिंह, अनुराधा, बीएससी-एमबीए के छात्र चंद्रशेखर, छात्रा ऋतु अग्रवाल, बीटेक की छात्रा पलक सचदेवा, बीएससी (प्राणी विज्ञान) के छात्र लवकेश का चयन किया गया है। विश्वविद्यालय की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा ने चयनित छात्र-छात्राओं को उनके चयन पर बधाई देते हुए कहा कि विवि के शिक्षकों की टीम के लगातार प्रयासों का फल है जो हमारे यहां के विद्यार्थी अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के मानकों पर खरे उतरते हैं। उन्होंने चयनित छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ये विद्यार्थी आगे चलकर सिर्फ विवि का ही नहीं देश का नाम भी रौशन करेंगे। ★ ★ ★ ★ ★

संस्कृति विवि के नौकरी पाने वाले छात्र और कुलपति राणा सिंह व कंपनी के पदाधिकारी।

संस्कृति विवि के 27 छात्रों को धूत ट्रांसमिशन में मिली नौकरी

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में कैंपस प्लेसमेंट के तहत आई धूत ट्रांसमिशन प्राइवेट लिमेटेड कंपनी द्वारा लंबी चयन प्रक्रिया के बाद विवि के छात्रों को अपनी कंपनी में नौकरी दी गई है। विवि प्रबंधन ने इस चयन पर सभी छात्रों को बधाई दी है। कंपनी से आए एचआर विभाग के एक्स्यूटिव मयूर पाटिल ने बताया 1999 में स्थापित धूत ट्रांसमिशन प्रा. लि. वायर और पावर कोर्ड उत्पादन के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम है। कंपनी ने पिछले नौ वर्षों के दौरान आटोमैटिव और डोमेस्टिक एप्लाइंसेस मार्केट में भारत और भारत के बाहर प्रमुख उत्पादकों में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि यहां कैंपस प्लेसमेंट में भाग लेने वाले संस्कृति विवि के छात्रों ने अपने ज्ञान और कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया है। यही वजह है कि कड़ी चयन प्रक्रिया में इतनी बड़ी संख्या में इन छात्रों ने सफलता हासिल की है। लिखित और मौखिक चरणों में पूर्ण हुई इस चयन प्रक्रिया में संस्कृति विवि के मैकेनिकल इंजीनियरिंग (बी.टेक.) के छात्र विशाल अग्रवाल, आशीष यादव, सभाजीत बिंद, हरीओम, मिथुन कुमार, चेतराम, राजकुमार, मैकेनिकल (डिप्लोमा) के छात्र दीपक कुमार, आकाश कुमार, चंदरपाल, पंकज सिंह, कपिल, रितेष पांडे, गोपाल अग्रवाल, योगेश कुमार, दीपक कुमार, नरेंद्र कुमार, विष्णु, प्रशांत मिश्रा, मो. अजय आलम, मो.आफताब आलम, इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग (डिप्लोमा) के जसराम सिंह, अरुण सिंह, देवेंद्र कुमार यादव, कौशल कुमार, प्रहलाद परिहार चुने गए। धूत ट्रांसमिशन प्रा. लि. कंपनी में नौकरी पाने वाले छात्रों को विवि की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। ★ ★ ★ ★ ★ ★

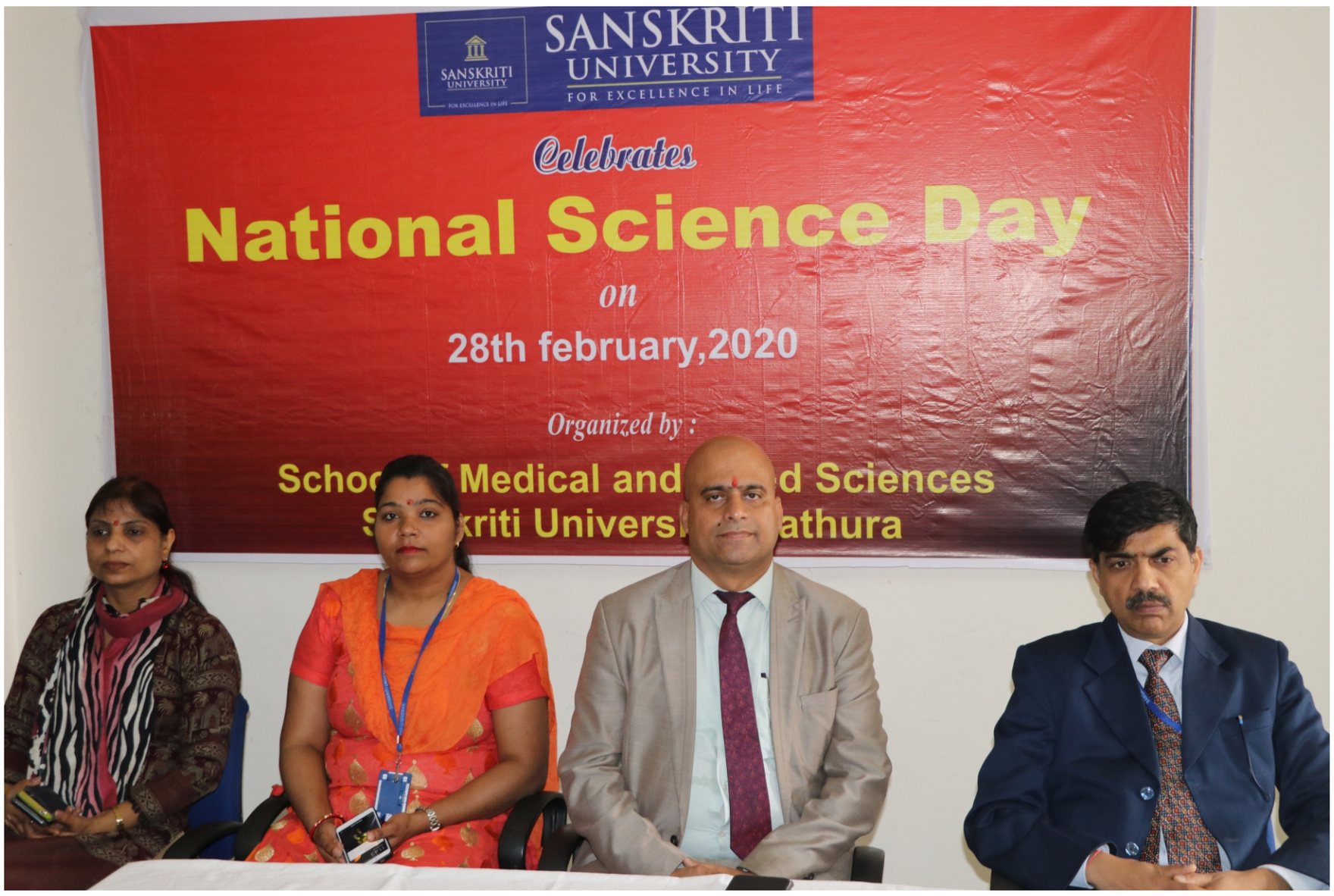

विज्ञान के बिना जीवन की कल्पना मुश्किल

संस्कृति विवि में मना विज्ञान दिवस

मथुरा। संस्कृति विश्विवद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने विज्ञान के महत्व और उसकी उपयोगिता को लेकर अपने वक्तव्यों में कहा कि आज हम विज्ञान के सहयोग के बिना अपने जीवन की कल्पना नहीं कर सकते हैं। विज्ञान के अविष्कार हमारे जीवन में स्थायी स्थान ले चुके हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. राणा सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 28 फरवरी 1928 को देश के प्रसिद्ध वैज्ञानिक सीवी रमन ने एक उत्कृष्ट खोज की थी, जो 1930 में प्रकाश में आई जब उन्हें नोबल पुरुस्कार मिला। उन्होंने कहा कि इस खोज को रमन प्रभाव (Raman Effect) के नाम से जाना जाता है। डीन एकाडमिक डा. अतुल कुमार ने बताया कि इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम ''विज्ञान के क्षेत्र में महिलाएं'' है। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने अपने द्वारा निर्मित विज्ञान के माडल का प्रदर्शन किया। विज्ञान से जुड़े उपयोगी पोस्टरों को भी छात्र-छात्राओं ने बनाया और उनका प्रदर्शन किया। इस अवसर पर आयोजित पोस्टर, माडल और भाषण प्रतियोगिता के दौरान छात्र-छात्राओं अपने अध्ययन कौशल और प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान विवि के सभी संकायों के डीन, विभागध्यक्ष और शिक्षक मौजूद थे।

संस्कृति दिव्यांग स्कूल की टीम ने दिव्यांग किए चिह्नित

गांव खायरा, भदावल में किया सर्वे

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा विभाग के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा जनपद के गांव खायरा, भदावल में समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के 18 दिव्यांग बच्चों को चिह्नित किया गया। इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए दिव्यांग स्कूल के विभागाध्यक्ष डा.संतोष मौर्य ने बताया कि विशेष शिक्षा के अंतर्गत संस्कृति विवि में दिव्यांग स्कूल संचालित हो रहा है। इस स्कूल में शारीरिक अथवा मानसिक अक्षमता वाले बच्चों को विशेष प्रशिक्षण देकर समर्थ बनाया जाता है। स्कूल के प्रशिक्षकों द्वारा समय-समय पर विभिन्न क्षेत्रों में सर्वे कर ऐसे बच्चे चिह्नित किए जाते हैं जो श्रवण बाधित, षष्टि बाधित, बौद्धिक अक्षम, प्रमस्तकीय पक्षाघालता, स्वालीनता से ग्रसित होते हैं। खायरा और भदावल में आयोजित कार्यक्रम में संस्कृति विवि द्वारा चलाए जा रहे पुनर्वास केंद्र की जानकारी दी गई। साथ ही दिव्यांगों को राज्य और केंद्र सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम में उपस्थित दिव्यांगों के परिजनों को दिव्यांगों को दिए जाने वाले सहायक उपकरणों, दिव्यांगता संबंधी छूट की भी जानकारी दी गई। लोगों को बताया गया कि दिव्यांगों का किस तरह से समुदाय आधारित पुनर्वास किया जाएगा। डा. मौर्य ने बताया कि संस्कृति विवि द्वारा संचालित दिव्यांग स्कूल द्वारा घर से स्कूल और स्कूल से घर तक लाने की निशुल्क व्यवस्था की जाती है। स्कूल में बच्चों के खाने, स्वल्पाहार की व्यवस्था होती है। प्रशिक्षकों द्वारा विशेष शिक्षा के दौरान मिलने वाले प्यार के कारण ऐसा भी होता है कि ये बच्चे घर जाना ही नहीं चाहते। कार्यक्रम में डा. संतोष मौर्य के अलावा, असिस्टेंट प्रोफेसर दुर्गेश कुमार वर्मा, शिक्षक देवेंद्र कुमार शर्मा, चंचल कौशिश, मीनाक्षी शर्मा, ब्रजेश शर्मा के अलावा भदावल गांव के श्रीचन्द्र भी मौजूद थे।

★ ★ ★ ★ ★

संस्कृति विश्वविद्यालय के मुख्य मैदान में स्काउट-गाइड इंस्ट्रक्टर रमेशचंद्र शर्मा विद्यार्थियों को स्काउट गाइड के लक्ष्य, सिद्धांत तथा नियमों की जानकारी देते हुए।

संस्कृति विवि में शुरू हुआ पांच दिवसीय स्काउट-गाइड शिविर

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय स्काउट एंड गाइड शिविर का शुभारंभ परंपरागत ध्वजारोहण के साथ हुआ। विश्वविद्यालय के स्कूल आफ एजूकेशन के छात्र-छात्राएं बड़ी इस शिविर में भाग ले रही हैं। इस मौके पर स्काउट एंड गाइड इंस्ट्रक्टर्स ने छात्र-छात्राओं को स्काउट एंड गाइड नियम व सिद्धांतों की जानकारी दी। संस्कृति विश्वविद्यालय के मुख्य मैदान में आयोजित पांच दिवसीय स्काउट-गाइड शिविर के शुभारंभ के अवसर पर स्काउट गाइड इंस्ट्रक्टर रमेशचंद्र शर्मा ने विद्यार्थियों को स्काउट-गाइड के आधारभूत सिद्धांत बताते हुए कहा कि स्काउट-गाइड देशभक्त, साहसी, अग्रगामी, बुद्धिमान और दूरदर्शी नागरिक निर्माण करने वाली संस्था है। संस्थापक लार्ड पावेल द्वारा संकल्पित किए गए लक्ष्य, सिद्धांत व पद्धति के अनुरूप है। उन्होंने इस मौके पर छात्र-छात्राओं को ईश्वर, धर्म और देश के लिए समर्पण, दूसरों के लिए समर्पण तथा स्वयं के प्रति कर्तव्य के पालन की शपथ दिलाई। प्रार्थना के बाद विद्यार्थियों ने ध्वजारोहण के साथ ध्वजगान किया। इसी क्रम में स्काउट गाइड प्रशिक्षकों ने छात्र-छात्राओं की टोलियां बनाकर नायक और उप नायक का निर्धारण किया। प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को रस्सी में गांठें लगाना, तंबू निर्माण करना सिखाया। संस्कृति विवि के छात्र-छात्राओं ने बड़े उत्साह और हर्ष के साथ सभी गतिविधियों में भाग लिया। स्काउट गाइड प्रशिक्षक मनोज कुमार शर्मा, लक्ष्मी नारायण व विनोद कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को स्काउट-गाइड के शिष्टाचार से अवगत कराया। इस मौके पर संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल आफ एजूकेशन के डीन डा. महमूद खान, डा दिनेश कुमार निमेष, डा. मनीष पसारिया, डा. निशा चंदेल, डा. अनीता जग्गी, डा. करमजीत, जयप्रकाश, शहवाज अली आदि भी मौजूद थे।

'एपेक्स-2020' का भ्रमण करने ग्रेटर नोएडा पहुंचा संस्कृति विवि के इंजीनियरिंग छात्रों का दल।

संस्कृति विवि के छात्रों ने जानी मशीनों की बारीकियां

शैक्षणिक भ्रमण

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों का एक दल शैक्षणिक भ्रमण पर ग्रेटर नोएडा में इश्रे दिल्ली चौप्टर द्वारा आयोजित 'एपेक्स 2020' प्रदर्शनी देखने पहुंचा। छात्रों ने यहां इंडिया एक्सपोजीशन मार्ट लिमिटेड जैसी कंपनियों का दौरा करने के दौरान रेफ्रीजिरेशन और एअरकंडशनिंग से जुड़ी कई जानकारियां हासिल कीं।

कंपनियों के भ्रमण के दौरान छात्र ने रेफ्रीजिरेशन और एअरकंडीशनिंग की आधुनिकतम मशीनों से रूबरू हुए।

इन मशीनों के निर्माण, इनके कार्य करने के तरीके, उपयोग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में कंपनियों के इंजीयरों ने छात्रों को विस्तार से जानकारी दी। इंजीनियरों ने छात्रों को बताया कि वर्तमान दौर में पर्यावरण सुरक्षा के प्रति विशेष ध्यान रखते हुए इन मशीनों का निर्माण किया जा रहा है।

ये मशीनें हमारे जीवन को सुविधायुक्त तो करती ही हैं साथ ही पर्यावरण को भी सुरक्षित रखती हैं। छात्रों ने इंजीनियरों से अनेक सवाल कर अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया। वहीं फायर और सेफ्टी से जुड़े उत्पाद बनाने वाली कंपनियों ने भी अपने उत्पादों की जानकारी दी।

शैक्षणिक भ्रमण पर गए इस दल में बी.टेक. और पालीटेक्निक के छात्र शामिल थे।

इस भ्रमण के दौरान दी गई जानकारियों से छात्रों ने अपने ज्ञान की तो वृद्धि की ही साथ ही मशीनों के कार्य करने के तरीकों का भी व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त किया। छात्रों के इस दल के साथ संस्कृति विवि के इंजीनिरिंग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर अंशुमन सिंह, सुश्री शिखा पाराशर व राम बहादुर, चंद्रकांत, रहीस पाल आदि भी शामिल थे।

★ ★ ★ ★ ★

संस्कृति विवि के मुख्य मैदान में लगाए गए शिविरों का अवलोकन करते संस्कृति विवि के कुलाधिपति सचिन गुप्ता। साथ में विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा व विवि के कुलपति डा.राणा सिंह।

स्काउट गाइड ने दिखाई स्वावलंबी बनने की राह

संस्कृति विवि में पांच दिवसीय स्काउट-गाइड शिविर संपन्न

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय स्काउट एंड गाइड शिविर के समापन दिवस पर स्काउट गाइड के मुख्यायुक्त कमल कौशिक तथा विवि के कुलाधिपति सचिन गुप्ता ने छात्र-छात्राओं द्वारा लगाए गए शिविरों का निरीक्षण किया। शिविरों के संयोजन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि स्काउट गाइड के माध्यम से हम स्वावलंबी तो बनते ही हैं साथ ही हर परिस्थिति में अपने को ढालने का कौशल भी हासिल करते हैं। मुख्यायुक्त कौशिक ने कहा कि स्काउट गाइड में तमाम अन्य व्यवहारिक प्रशिक्षण के साथ विद्यार्थियों के अंदर देशभक्ति और अपनी संस्कृति के प्रदर्शन का भी मौका मिलता है। उन्होंने कहा यह एक गैर सरकारी संगठन है। इससे जुड़कर हम नियम और सयंम का पाठ पढ़ते हैं। एक अच्छा नागरिक बनने में भी सहयोग मिलता है। इससे पूर्व उन्होंने छात्र-छात्राओं की विभिन्न टोलियों द्वारा लगाए गए कैंपों महाराण प्रताप, छत्रपति शिवाजी, रानी अवंती बाई आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने टोली नायकों से अनेक सवाल कर उनके द्वारा हासिल किए गए ज्ञान को परखा। उन्होंने टोली नायकों को संदेश दिया कि हमें अपने देश की महान विभूतियों, जिनके नाम से अपने शिविर का गठन करते हैं उनके बारे में अध्ययन भी करना चाहिए। डीन महमूद खान ने बताया कि विश्वविद्यालय के स्कूल आफ एजूकेशन के छात्र-छात्राओं ने बड़ी इस शिविर में भाग लिया। संस्कृति विश्वविद्यालय के मुख्य मैदान में आयोजित पांच दिवसीय स्काउट-गाइड शिविर के समापन के अवसर पर कुलाधिपति सचिन गुप्ता ने विद्यार्थियों को स्काउट-गाइड शिविर के सफल संचालन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि स्काउट-गाइड दूरदर्शी नागरिक निर्माण करने वाली संस्था है। शिविरों के निरीक्षण के दौरान विवि की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, स्काउट गाइड इंस्ट्रक्टर रमेशचंद्र शर्मा, प्रशिक्षक मनोज कुमार शर्मा, लक्ष्मी नारायण व विनोद कुमार शर्मा के अलावा डा.दिनेश कुमार निमेष, डा. मनीष पसारिया, डा. निशा चंदेल, डा. अनीता जग्गी, डा.करमजीत, जयप्रकाश, शहवाज अली आदि भी मौजूद थे।

होटल इंडस्ट्री में हैं अतंर्राष्ट्रीय रोजगार की अपार संभावनाएं

संस्कृति विवि में आयोजित हुई कार्यशाला

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के होटल मैनेजमैंट विभाग के द्वारा 'इंटरनेशनल प्लेसमेंट एंड ट्रेनिंग' विषयक वर्कशाप का आयोजन विवि के सभागार में किया गया। कार्यशाला में मैट्रिक्स इंफोसिस ओवरसीज एजूकेशन कंसलटेंट (एमआईओईसी) दिल्ली से आए विशेषज्ञों ने छात्र-छात्राओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोजगार अवसरों के साथ-साथ इसके लाभ भी बताये। साथ ही यह भी बताया कि इनको हासिल करने के लिए आपको किस तरह से तैयारी करनी चाहिए। एमआईओईसी कंपनी के सीईओ अजेश गुरनानी ने छात्र-छात्राओं को बताया कि होटल इंडस्ट्री एक ऐसी इंडस्ट्री है जो लगातार पिछले 10 वर्षो से आगे बढ़ रही है। विद्यार्थियों के लिए इस इंडस्ट्री में अपार संभावनाएं हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस इंडस्ट्री में अवसर मिलने पर न केवल अच्छा वेतनमान मिलता है वरन एक अच्छी जीवन शैली भी व्यतीत करने को मिलती है। उन्होंने बताया कि हमारी कंपनी द्वारा आपके लिए सही रास्ते का चयन किया जाता है जो आपको अंतर्राष्ट्रीय बाजार में में कैरियर बनाने में मदद करता है। कंपनी की कंट्री हेड शिखा ने छात्र-छात्राओं से अनेक सवाल कर उनकी रुचि और होटल मैनेजमैंट के विषय के चयन के कारणों को जाना। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए आपके अंदर कम्युनिकेशन स्किल, मान्यताप्राप्त शिक्षा, विदेशी भाषाओं का ज्ञान, अनुभव, आत्मविश्वास, अपने आप को सिद्ध करने की योग्यता होनी चाहिए। इन गुणों वाले विद्यार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय अवसरों की कोई कमी नहीं है। कंपनी की काउंसलर गिन्नी महरोत्रा और निशू झा ने छात्र-छात्राओं को इंडस्ट्री की आवश्यकताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। छात्र-छात्राओं को विवि के कुलपति डा. राणा सिंह, होटल मैनेजमैंट विभाग के डीन डीसी वशिष्ठ ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन विवि के असिस्टेंट प्रोफेसर योगेश कुमार ने किया।

चित्र परिचय- बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन में भाग लेते संस्कृति विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राऐं।

संस्कृति विवि में बसंत पंचमी पर हुआ दो दिवसीय आयोजन

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रांगण में छात्र-छात्राओं ने दो दिवसीय वंसत पंचमी उत्सव उत्साह के साथ मनाया। मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर दोनों दिन विधिवत पूजा-अर्चना की गई। छात्र-छात्राओं ने इस मौके पर पंरपरागत भजन गाकर और नृत्य कर सारे माहौल को भक्ति के भाव में डुबो दिया। पूजन के लिए उपसिथत हुए पंडित ओम प्रकाश गौंड ने परंपरागत पूजन के उपरांत छात्र-छात्राओं का ज्ञान वर्धन करते हुए बताया कि ऋतुराज वंसत को विशेष रूप से सरस्वती जयंती के रूप में मनाया जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार सृष्टि के रचनाकार भगवान बृह्मा ने जब संसार को बनाया तो पेड़-पौधों और जीव-जंतु सभी दिख रहे थे लेकिन उन्हें किसी चीज की कमी महसूस हो रही थी। इस कमी को पूरा करने के लिए उन्होंने अपने कमंडल से जल निकालकर छिड़का तो सुंदर स्त्री के रूप में एक देवी प्रकट हुई। उनके एक हाथ में वीणा और दूसरे हाथ में पुस्तक थी। तीसरे में माला और चौथा हाथ वर मुद्रा में था। यह देवी थीं मां सरस्वती। मां सरस्वती ने जब मीणा बजायी तो संसार की हर चीज में स्वर आ गया। इसी से उनका नाम पड़ा देवी सरस्वती। यह दिन था वंसत पंचमी का। तब से देवलोक, मृत्यु लोक में वंसत पंचमी पर मां सरस्वती की पूजा होने लगी। पूजा के उपरांत छात्र-छात्रों ने भजन सुनाए और भजनों पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किए। नृत्य-गीत प्रस्तुत करने वाले छात्र-छात्राओं में सुनील श्रीवास्तव, अभिनव कुमार, शुभम कुमार, आकाश कुमार, राजेश, प्रद्युम्न, सजल, आयुष कुमार, कुणाल, अंशिका आर्या, सृष्टि गुप्ता, सुकृति, श्रावंती वाजपेयी, जागृति कुमारी शामिल थी। पूजन में विवि कुलपति डा. राणा सिंह व एकेडमिक डीन अतुल कुमार ने भी भाग लिया। ★ ★ ★ ★ ★

संस्कृति विवि के सभागार में 'इंडस्ट्री 4.0 एंड एप्लीकेशन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते कैंटियर सिस्टम लिमिटेड कंपनी के निदेशक आलोक वार्ष्णेय।

चौथी औद्योगिक क्रांति में शामिल होने को तैयार हों विद्यार्थी

संस्कृति विवि में इंडस्ट्री '4.0 एंड एप्लीकेशंस' विषय पर हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में आयोजित 'इंडस्ट्री 4.0 एंड एप्लीकेशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में आए विशेषज्ञों ने छात्र-छात्राओं को चौथी औद्योगिक क्रांति के उन पहलुओं को बताया जिससे मानव जीवन का सीधे-सीधे जुड़ाव है। कहा गया कि मनुष्य के जीवन की बदलती वर्तमान जरूरतों और भविष्य की जरूरतों के लिए औद्योगिक तकनीक में क्या और कैसे बदलाव आ रहे हैं और कैसे बदलाव होने चाहिए यह सोचना आज के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण आवश्यकता है। संगोष्ठी में एअरकान सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक केडी सिंह ने विद्यार्थियों से कहा कि आपका अविष्कार औद्योगिक क्षेत्र में क्रांति ला सकता है। कुछ नया और उपयोगी करने की सोच के साथ सारी दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है। चाहे वह ऊर्जा के विकल्प तलाशने का क्षेत्र हो या फिर कचरे से ऊर्जा पैदा करने का नवीन तरीका दोनो ही क्षेत्रों में विद्यार्थियों को करने के लिए बहुत कुछ है। आपका अविष्कार समाज में क्रांति ला सकता है। विद्यार्थियों को सिर्फ आज के बारे में ही नही सोचना है उन्हे भविष्य की जरूरतों के बारे में भी सोचना है। उन्हें ऐसा कौशल हासिल करना है ताकि ऐसी खोज कर सकें जिससे न केवल वातावरण सुरक्षित रहे वरन किफायती डिवाइस तैयार कर सकें। हर क्षेत्र में ऐसे अविष्कार किए जा रहे है। जिनसे ऊर्जा समय और धन सबकी बचत करने में हम सफल हो पा रहे है। उन्होंने कहा कि आज जो भी समस्या है वह तो है ही लेकिन इसका दूसरा पक्ष है कि समस्या हमें मौका दे रही है कुछ उपयोगी करने का। कैंटियर सिस्टम लिमिटेड कंपनी के निदेशक आलोक वार्ष्णेय ने एक युवक का उदाहरण देते हुए बताया कि उसने कैसे चीनी उत्पाद से प्रतिस्पर्धा करने वाला किफायती और आधुनिक चेन पुली सिस्टम बनाकर व्यावसायिक सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री 4.0 का मतलब है स्मार्ट इंडस्ट्री। चौथी औद्योगिक क्रांति का हिस्सा बनने के लिए उत्पादन आटोमेशन डाटा केंद्रित वातावरण में बदलाव लाने होगें। उन्होंने बताया कि जिस उत्पादन को महीनों में परंपरागत तरीके से किया जाता था वह आज चंद घंटों में अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से किया जाने लगा है। जीवन शैली स्मार्ट टेक्नोलाजी ने सबकुछ आसान कर दिया है। और अब स्मार्ट सिटी की स्थापना हो रही है. हो चुकी है। मनुष्य के जीवन के हर क्षेत्र में लगातार नया अविष्कार हो रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी ने सभी क्षेत्रों में क्रांति ला दी है। हमारे विद्यार्थियों को भी इस ओर आगे बढ़कर उद्यम खड़े करने होंगे। अपने आप को तैयार करें क्योकि बहुत तेजी से दुनिया में उद्योग की तकनीक बदल रही है। संगोष्ठी के प्रारंभ में संस्कृति विश्वविद्यालय के अकेडमिक डीन डा. अतुल कुमार चौहान ने विषय संबंधी जानकारी दी। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. राणा सिंह ने चौथी औद्योगिक क्रांति के बारी में विस्तार से प्रकाश डाला। इश्रे दिल्ली चैप्टर की सेक्रेटरी पूर्णिमा शर्मा ने वर्तमान जरूरतों के लिए आवश्यक शिक्षा के बारे में बताया।